गृह प्रबन्ध

HOME MANAGEMENT

डॉ. (श्रीमती) मंजु पाटनी

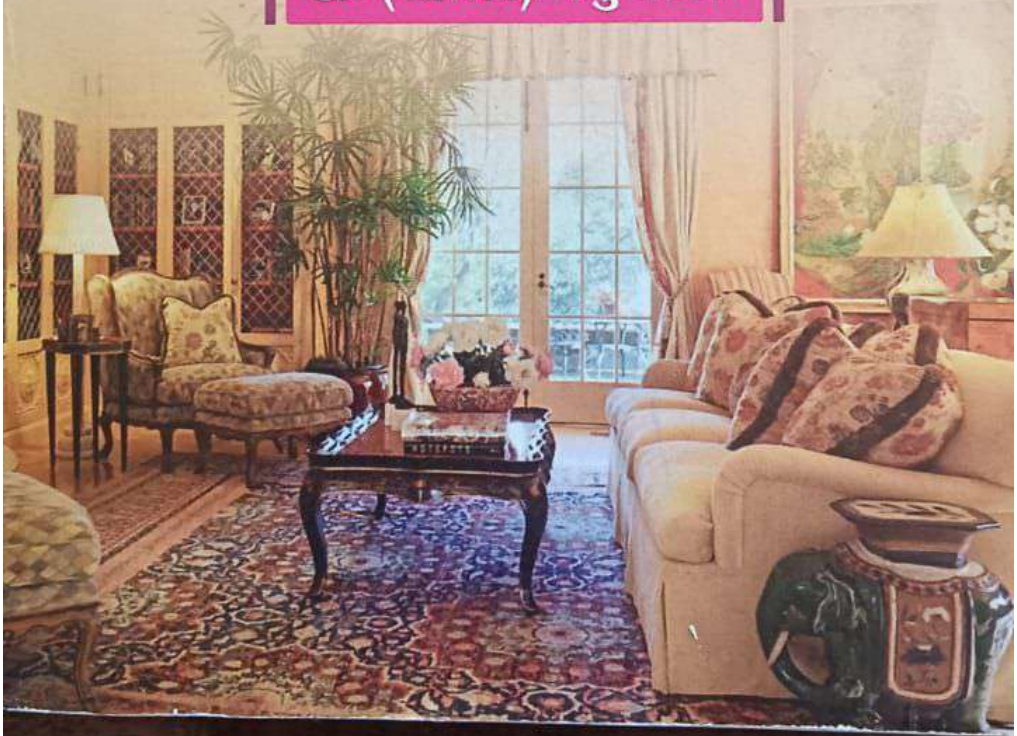

3

कार्य सरलीकरण
[Work Simplification]

कार्य सरलीकरण का शाब्दिक अर्थ है—कार्य को सरल तरीके से करना। कोई व्यक्ति यदि कार्य करने के तरीके को सरल करता है व समय व शक्ति व्यय को कम करने की कोशिश करता है, कार्य सरलीकरण का महत्व सीख लेता है। कार्य करने की विधि में लगाया गया समय व शक्ति अधिकांशतः हाथ व शरीर की गति पर निर्भर करता है। इस प्रकार कार्य सरलीकरण का सामान्य अर्थ है—कार्य को ऐसे तरीके से करना जिससे वह शीघ्रता से व सुविधाजनक विधि से सम्पन्न हो सके ।

परिभाषा (Definition) – कार्य सरलीकरण की कुछ मुख्य परिभाषाएँ इस प्रकार हैं—

(1) **ग्रॉस एवं क्रैण्डल** (Gross & Crandall) के अनुसार—

"कार्य सरलीकरण में समय और शक्ति दोनों के व्यवस्थापन को मिश्रित कर दिया जाता है। कार्य सरलीकरण का अर्थ है कि निर्धारित समय व शक्ति की मात्रा में अधिक कार्य सम्पादित करना या कार्य की निश्चित मात्रा को सम्पन्न करने के लिए समय या शक्ति अथवा दोनों की मात्रा को कम करने का प्रयत्न करना।"[1]

इस प्रकार ग्रॉस एवं क्रैण्डल ने कार्य सरलीकरण में दो बातें सम्मिलित की हैं— या तो निश्चित समय व शक्ति की मात्रा में अधिक कार्य सम्पादित करना या कार्य की निश्चित मात्रा को करने हेतु समय व शक्ति की कम मात्रा उपयोग करना। दोनों ही स्थिति में कार्य सरलीकरण होता है।.

(2) **राजमल पी. देवदास** (Rajmal P. Devdas) के अनुसार—

"किसी भी कार्य को कम मात्रा में समय व शक्ति के उपयोग के द्वारा करने की तकनीक को कार्य सरलीकरण कहते हैं"।

(3) **निकिल एवं डॉर्सी** (Nickell & Dorsey) के अनुसार—

"कार्य सरलीकरण का अर्थ है कार्य करने की सबसे आसान, सरल और शीघ्र विधि की सचेततापूर्वक खोज करना।"[2]

---

1. "The management of the two of them is however, blended in what is known as work simplification. It may be defined as accomplishing more work with a given amount of time and energy or a reducing the amount of either or both is accomplish a given amount of work – **Gross & Crandall,** "Work Simplification", *Management of Modern Families* p.277,

2. "Work simplification is the conscious seeking of the simplest, easiest and quickest method of doing work." – **Nickell & Dorsey,** "Work Simplification – Techniques and Studies." *Management in Family Living*, p.180.